ISSN: 2394-3122 (Online)
ISSN: 2394-6253 (Print)
Impact Factor: 6.03

Volume 12 Issue 12, December 2025

SK International Journal of Multidisciplinary Research Hub

Journal for all Subjects
e-ISJN: A4372-3088
p-ISJN: A4372-3089

Research Article / Survey Paper / Case Study
Published By: SK Publisher (www.skpublisher.com)

A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access Multidisciplinary & Multilingual International Journal - Included in the International Serial Directories

माध्यमिक स्तर के कला एवं विज्ञान वर्ग के छात्र-छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन

डॉ॰ दिनेश कुमार मौर्य[1]
विभागाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र विभाग,
एम॰एल॰के॰ (पी॰जी॰) कॉलेज, बलरामपुर (उ॰प्र॰)

विकास कुमार जैसवार[2]
शोधार्थी
एम॰एल॰के॰ (पी॰जी॰) कॉलेज, बलरामपुर (उ॰प्र॰)

DOI: https://doi.org/10.61165/sk.publisher.v12i11.2

सारांश: *प्रस्तुत शोध कार्य में माध्यमिक स्तर के कला एवं विज्ञान वर्ग के छात्र-छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन किया गया। इस अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया। न्यादर्श हेतु के शोधार्थी ने कानपुर नगर के माध्यमिक स्तर के दस विद्यालयों का चयन यादृच्छिक विधि से किया। इन माध्यमिक विद्यालयों से 50 छात्र एवं 50 छात्राओं का चयन यादृच्छिक विधि से किया गया। संवेगात्मक बुद्धि हेतु डॉ0 एस0 के0 मंगल और शुभ्रा मंगल द्वारा निर्मित शोध उपकरण का प्रयोग किया गया। आंकडों के विश्लेषण हेतु मध्यमान, मानक विचलन एवं टी-परीक्षण का प्रयोग किया गया। प्रस्तुत शोध कार्य से यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ है कि माध्यमिक स्तर के कला वर्ग एवं विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक अन्तर है, कला वर्ग के विद्यार्थियों की तुलना में विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि अधिक श्रेष्ठ पायी गयी।*

मुख्य बिन्दु: *माध्यमिक स्तर, संवेगात्मक बुद्धि, कला वर्ग के विद्यार्थी, विज्ञान वर्ग के विद्यार्थी।*

परिचय:

माध्यमिक शिक्षा की बात करें तो, छात्रों की संवेगात्मक और मनोवैज्ञानिक स्थिति का ज्ञान उन्हें शैक्षणिक और व्यक्तिगत रूप से मार्गदर्शन करने के लिए आवश्यक है। कई बार, विभिन्न छात्रों में से, प्रतिभाशाली छात्र आमतौर पर उत्कृष्ट बुद्धि और सीखने के कौशल का प्रदर्शन करते हैं। फिर भी, उनके संवेगात्मक और सामाजिक कौशल हमेशा उनके मन के अनुरूप नहीं होते। दूसरी ओर, सामान्य छात्र, जो कक्षा में अधिकांश सीटें भरते हैं, उनमें सोचने के उतने उत्कृष्ट कौशल नहीं होते, हालाँकि वे भावनाओं और सामाजिक क्षेत्रों को अच्छी तरह से नियंत्रित करते हैं। इस विषय की जाँच करते समय, इन समूहों में बच्चों के पथ का विश्लेषण करने के लिए संवेगात्मक बुद्धिमत्ता महत्वपूर्ण सिद्ध होती हैं। जिन लोगों में संवेगात्मक बुद्धिमत्ता होती है, वे अपनी और अन्य लोगों की भावनाओं का सही ढंग से पता लगा सकते हैं, उन्हें समझ सकते हैं, नियंत्रित कर सकते हैं और

© 2025, SK Publisher All Rights Reserved

उनका उपयोग कर सकते हैं। निर्णय लेने, समस्याओं को सुलझाने, संबंध बनाने और स्वस्थ रहने के लिए भावनाएँ बहुत महत्वपूर्ण हैं। यह समायोजन किसी व्यक्ति के स्कूल, दोस्तों और घर सहित, चारों ओर की विभिन्न मांगों और दबावों का सामना करने के कौशल को कवर करता है। जब एक छात्र मानसिक रूप से स्वस्थ होता है, तो वे आमतौर पर स्कूल में अच्छा करते हैं, साथियों के साथ अच्छे संबंध बनाते हैं, और कठिनाइयों का सामना करने की क्षमता रखते हैं।

उत्तर प्रदेश में शिक्षा के लिए प्रसिद्ध कानपुर जिले के माध्यमिक विद्यालय, हर सामाजिक-आर्थिक वर्ग के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करते हैं। चूँकि शैक्षणिक और सामाजिक मूल्य बदल रहे हैं, इसलिए अब यह देखना ज्यादा ज़रूरी हो गया है कि छात्र संवेगात्मक और सामाजिक रूप से कैसी प्रतिक्रिया देते हैं। यहाँ छात्रों को आमतौर पर प्रोत्साहित करने और उनकी क्षमता के अनुरूप कक्षाओं या विशेष कार्यक्रमों में रखा जाता है। हालाँकि उनमें बौद्धिक क्षमता होती है, फिर भी उन्हें दोस्ती, स्कूल में तालमेल बिठाने और अपनी भावनाओं को नियंत्रित करने में समस्या हो सकती है।

कई अध्ययन इस बात की ओर इशारा करते हैं कि संवेगात्मक बुद्धिमत्ता, शिक्षा और संवेगात्मक समायोजन में एक प्रमुख भूमिका निभाती है। शोधकर्ताओं का मानना है कि अधिक स्ंवेगात्मक बुद्धिमत्ता वाले लोग संघर्षों को बेहतर ढंग से सुलझा पाते हैं, सहानुभूति महसूस करते हैं, तनाव को बेहतर ढंग से प्रबंधित करते हैं और अच्छे रिश्ते बनाते हैं। किशोरावस्था में, कई चीजें व्यक्ति के समायोजन को प्रभावित करती हैं, जैसे उसका परिवार, उसकी संगति, स्कूल का माहौल और उसे अंदर से क्या प्रेरित करता है। कई छात्रों के जीवन के अनुभव उनकी उम्र के अन्य छात्रों से अलग होते हैं। इस अंतर के कारण, कुछ छात्र अकेले परेशान हो सकते हैं और स्कूल के अलावा अन्य क्षेत्रों में संघर्ष कर सकते हैं। इस बीच नियमित छात्र अक्सर अपनी दोस्ती को बेहतर बनाते हैं और सामान्य शैक्षिक कक्षाओं में भाग लेने के कारण सामाजिक कौशल सीखते हैं। इसलिए संवेगात्मक बुद्धिमत्ता छात्रों के विकास पर एक व्यापक नजर डालता है और यह बताता है कि उन्हें कहाँ सहायता की आवश्यकता हो सकती है।

इस शोध में, मैं कानपुर जिले के स्कूलों में विभिन्न कारकों के परस्पर क्रिया का अध्ययन करता हूँ। यह परीक्षण यह जानने का प्रयास करता है कि संवेगात्मक रूप से बुद्धिमान कला वर्ग के विद्यार्थियों और विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों, और उनकी तुलना करके उनकी खूबियों और उनके सामने आने वाली समस्याओं का पता लगाता है। मानकीकृत उपकरणों और सांख्यिकी विधियों के उपयोग के कारण, इस अध्ययन के विश्वसनीय और वस्तुनिष्ठ परिणाम सामने आए हैं। इस विश्लेषण के माध्यम से, शोधकर्ता छात्रों के मनोवैज्ञानिक पहलुओं को चित्रित करने में सक्षम हैं और शिक्षा एवं परामर्श के क्षेत्र में कार्यरत लोगों के लिए उपयोगी सलाह भी प्रस्तुत करते हैं।

इस तरह के अध्ययन की माँग और भी बढ़ गई है क्योंकि अब यह माना जाने लगा है कि एक मज़बूत शैक्षणिक रिकॉर्ड ही किसी छात्र की उपलब्धियों का एकमात्र पैमाना नहीं है। स्कूल में अच्छा प्रदर्शन और स्ंवेगात्मक रूप से स्वस्थ रहना, एक छात्र के सर्वांगीण विकास के लिए समान रूप से आवश्यक हैं। भारत में, शिक्षा में अब पारंपरिक पाठों के साथ-साथ सामाजिक-संवेगात्मक कौशल सिखाने को भी शामिल किया जा रहा है। फिर भी इसके कारगर होने के लिए, यह जरूरी है कि इस बात के

© 2025, SK Publisher All Rights Reserved

आँकड़े उपलब्ध हों कि छात्र ऐसे मुद्दों पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं। यह अध्ययन कानपुर के माध्यमिक विद्यालयों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण आँकड़ों पर आधारित अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

परिभाषा:

गोलमैन के अनुसार:

"यह अपने एवं दूसरे के भावों को समझने की क्षमता तथा अपने आप को अभिप्रेरित करके एवं अपने एवं अपने सम्बन्धों में संवेग को प्रबंधित करने की क्षमता है। संवेगात्मक बुद्धि द्वारा उन क्षमताओं का वर्णन होता है जो शैक्षिक बुद्धि या बुद्धि लब्धि द्वारा मापे जाने वाले पूर्णतः संज्ञानात्मक क्षमताओं से भिन्न परन्तु उसके पूरक होते हैं।"

संबंधित साहित्य की समीक्षा:

आर्या, जोशी (2025) ने नैनीतल जनपद के किशोरों में संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन किया। इस अध्ययन में नैनीतल जनपद के किशोरों में संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन किया गया। इस शोध के अंतर्गत नैनीतल जनपद के 400 किशोरों को न्यादर्श के चयनित किया गया है। किशोरों की संवेगात्मक बुद्धि ज्ञात करने हेतु डॉ॰ अरुण कुमार सिंह और डॉ॰ श्रुति नरैन द्वारा निर्मित संवेगात्मक बुद्धि परीक्षण का प्रयोग किया गया। परिणाम में पाया गया कि कला वर्ग की नगरीय छात्राओं का संवेगात्मक बुद्धि का स्तर औसत जबकि विज्ञान वर्ग की नगरीय छात्राओं के संवेगात्मक बुद्धि स्तर के औसत की अपेक्षा अधिक रहा। कला वर्ग की ग्रामीण छात्रों का संवेगात्मक बुद्धि स्तर का औसत विज्ञान वर्ग की ग्रामीण छात्रों के संवेगात्मक बुद्धि स्तर के औसत की अपेक्षा अधिक रहा। कला वर्ग की ग्रामीण छात्रों का संवेगात्मक बुद्धि स्तर का औसत जबकि विज्ञान वर्ग की ग्रामीण छात्रों के संवेगात्मक बुद्धि स्तर के औसत से कम रहा। कला वर्ग की ग्रामीण छात्राओं का संवेगात्मक बुद्धि स्तर का औसत विज्ञान वर्ग की ग्रामीण छात्राओं के संवेगात्मक बुद्धि स्तर के औसत से अधिक रहा।

आकांक्षा, वर्मा (2024) ने उच्चतर माध्यमिक स्तर पर विद्यालय के विद्यार्थियों में संवेगात्मक बुद्धि पर योग के प्रभाव का अध्ययन किया। इस अध्ययन में उच्चतर माध्यमिक स्तर पर विद्यालय के विद्यार्थियों में संवेगात्मक बुद्धि पर योग के प्रभाव का अध्ययन किया गया। इस शोध के अंतर्गत बदायूं जनपद के उच्चतर माध्यमिक स्तर पर विद्यालय के 140 विद्यार्थियों को न्यादर्श के रूप में चयनित किया गया। विद्यार्थियों में संवेगात्मक बुद्धि ज्ञात करने हेतु डॉ॰ एस-के॰ मंगल और डॉ॰ शुभ्रा मंगल का संवेगात्मक बुद्धि परीक्षण का प्रयोग किया गया । परिणाम में पाया गया कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं की अन्यवैयक्तिक जागरूकता, पारस्परिक जागरूकता, अन्यवैयक्तिक प्रबन्धन, पारस्परिक प्रबन्धन एवं संवेगात्मक बुद्धि पर योग का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

गुप्ता, मिश्र (2023) ने माध्यमिक स्तर पर अध्ययरत् छात्र एवं छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन किया गया। इस अध्ययन में माध्यमिक स्तर पर अध्ययरत् छात्र एवं छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना किया गया। इस शोध के अंतर्गत रीवा जिले के माध्यमिक स्तर के 500 छात्र एवं छात्राओं को न्यादर्श के रूप में चयनित किया

© 2025, SK Publisher All Rights Reserved

गया। छात्र एवं छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि ज्ञात करने के हेतु डॉ॰ अशोक शर्मा और डॉ॰ अनिता सोनी का संवेगात्मक बुद्धि परीक्षण का प्रयोग किया गया । परिणाम में यह पाया गया कि रीवा जिले के माध्यमिक स्तर पर अध्ययरत् छात्र एवं छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि के मध्य कोई सार्थक अन्तर नहीं है और शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के माध्यमिक स्तर पर अध्ययरत् छात्र एवं छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि के मध्य सार्थक अन्तर पाया जाता है।

चौहान, टिन्ना (2022) ने विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि एवं मानसिक तनाव का शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन किया गया। इस अध्ययन में विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि एवं मानसिक तनाव का शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करना किया गया। इस शोध के अंतर्गत बीकानेर जिले के 40 विद्यालयों के 640 विद्यार्थियों का चयन किया गया । विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि ज्ञात करने के हेतु प्रो॰ एन के चड्डा एवं दलीप सिंह तथा मानसिक तानव ज्ञात करने हेतु शोधकर्त्री द्वारा स्वनिर्मित मापनी का प्रयोग किया गया। परिणाम में पाया गया कि छात्रों की संवेगात्मक बुद्धि छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि की अपेक्षा अधिक अच्छी है। छात्र-छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि तथा मानसिक तनाव के अध्ययन के उपरान्त हमें यह ज्ञात हुआ कि उनके बीच कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया है। छात्र-छात्राओं के मानसिक तानव व शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन के उपरान्त यह ज्ञात हुआ कि इन दोनों के बीच कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया है।

अध्ययन के उद्देश्य :

1 माध्यमिक स्तर के कला वर्ग के छात्र-छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि तुलनात्मक अध्ययन करना।

2 माध्यमिक स्तर के विज्ञान वर्ग के छात्र-छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।

3 माध्यमिक स्तर के कला एवं विज्ञान वर्ग के छात्र-छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पनाएँ:

1 माध्यमिक स्तर के कला वर्ग के छात्र-छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

2 माध्यमिक स्तर के विज्ञान वर्ग के छात्र-छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

3 माध्यमिक स्तर के कला एवं विज्ञान वर्ग के छात्र-छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

शोध विधि: इस शोध कार्य में वर्णनात्मक अनुसंधान की सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया।

अध्ययन में प्रयुक्त उपकरण: प्रस्तुत शोध मे माध्यमिक स्तर के कला एवं विज्ञान वर्ग के छात्र-छात्राओ की संवेगात्मक बुद्धि के परीक्षण हेतु डॉ0 एस॰के॰ मंगल और डॉ0 शुभ्रा मंगल द्वारा निर्मित उपकरण का प्रयोग किया गया ।

न्यादर्श: न्यादर्श चयन हेतु कानपुर नगर के माध्यमिक स्तर के दस विद्यालयों का चयन यादृच्छिक विधि से किया गया। इन माध्यमिक विद्यालयों से 50 छात्र एवं 50 छात्राओं का चयन यादृच्छिक विधि से किया गया। सभी चयनित छात्र-छात्राओं को परीक्षण प्रशासित किये गये।

© 2025, SK Publisher All Rights Reserved

कला एवं विज्ञान वर्ग के छात्र-छात्राओं का विवरण निम्नवत तालिका के अनुसार होगा-

तलिका

न्यादर्श का प्रारूप

		छात्र	छात्राएं
माध्यमिक स्तर	कला वर्ग के विद्यार्थी	25	25
	विज्ञान वर्ग के विद्यार्थी	25	25
	योग	50	50

सांख्यिकीय विधि: प्रस्तुत अध्ययन में मध्यमान, मानक विचलन और टी-परीक्षण का प्रयोग सांख्यिकीय विश्लेषण करने हेतु किया गया।

व्याख्या एवं विश्लेषण: परिकल्पना -- माध्यमिक स्तर के कला वर्ग के छात्र-छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

सांख्यिकीय विधि:

प्रस्तुत अध्ययन में मध्यमान, मानक विचलन और टी-परीक्षण का प्रयोग सांख्यिकीय विश्लेषण करने हेतु किया गया।

आंकडों का वर्गीकरण, विश्लेषण एवं व्याख्या

तालिका - 1

माध्यमिक स्तर के कला वर्ग के छात्र-छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

प्रतिदर्श	प्रतिदर्श की संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी अनुपात	परिणाम
कला वर्ग के छात्र	25	27.25	12.21	5.04	अस्वीकृत
कला वर्ग की छात्राएं	25	32.14	13.24		

उपरोक्त तालिका संख्या 1 में संवेगात्मक बुद्धि के सम्बम्ध में विश्लेषण प्रदर्शित है। प्रतिदर्श में 25 कला वर्ग छात्रों का मध्यमान 27.25 और मानक विचलन 12.21 है। वही 25 कला वर्ग छात्रां मध्यमान 32.14 और मानक विचलन 13.24 है। टी-परीक्षण की गणना करने पर 5.04 मान प्राप्त हुआ, जो कि 0.05 सार्थकता स्तर पर तालिका के मान से अधिक है। अतः शोध परिकल्पना अस्वीकृत होती है। इस प्रकार कहा जा सकता है कि माध्यामिक स्तर के कला वर्ग के छात्र एवं कला वर्ग के छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक अन्तर है।

तालिका - 2

माध्यमिक स्तर के विज्ञान वर्ग के छात्र-छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

प्रतिदर्श	प्रतिदर्श की संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी अनुपात	परिणाम
विज्ञान वर्ग के छात्र	25	26.11	13.17	7.04	अस्वीकृत
विज्ञान वर्ग की छात्राएं	25	31.39	15.43		

उपरोक्त तालिका संख्या 2 में संवेगात्मक बुद्धि के सम्बम्ध में विश्लेषण प्रदर्शित है। प्रतिदर्श में 25 विज्ञान वर्ग छात्रों का मध्यमान 26.11 और मानक विचलन 13.17 है। वही 25 विज्ञान वर्ग छात्राओं का मध्यमान 31.39 और मानक विचलन 15.43 है। टी-परीक्षण की गणना करने पर 7.04 मान प्राप्त हुआ, जो कि 0.05 सार्थकता स्तर पर तालिका के मान से अधिक है। अतः

© 2025, SK Publisher All Rights Reserved

शोध परिकल्पना अस्वीकृत होती है। इस प्रकार कहा जा सकता है कि माध्यामिक स्तर के विज्ञान वर्ग के छात्र और विज्ञान वर्ग के छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक अन्तर है।

तालिका - 3

माध्यमिक स्तर के कला एवं विज्ञान वर्ग के छात्र-छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

प्रतिदर्श	प्रतिदर्श की संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी अनुपात	परिणाम
कला वर्ग के छात्र- छात्राएं	50	26.45	14.48	10.13	अस्वीकृत
विज्ञान वर्ग की छात्र-छात्राएं	50	34.35	11.13		

उपरोक्त तालिका संख्या 3 में संवेगात्मक बुद्धि के सम्बम्ध में विश्लेषण प्रदर्शित है। प्रतिदर्श में 50 कला वर्ग के छात्र-छात्राएं का मध्यमान 26.45 और मानक विचलन 14.48 है। वही 50 विज्ञान वर्ग के छात्र-छात्राएं मध्यमान 34.35 और मानक विचलन 11.13 है। टी-परीक्षण की गणना करने पर 10.13 मान प्राप्त हुआ, जो कि 0.05 सार्थकता स्तर पर तालिका के मान से अधिक है। अतः शोध परिकल्पना अस्वीकृत होती है। इस प्रकार कहा जा सकता है कि माध्यामिक स्तर के कला वर्ग के छात्र-छात्राएं एवं विज्ञान वर्ग के छात्र-छात्राएं की संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक अन्तर है।

निष्कर्ष:

यह शोध कार्य किशोरावस्था और संवेगात्मक बुद्धिमत्ता के महत्व को ध्यान में रखते हुए एक नया पाठ्यक्रम विकसित करने में सहायक है। शिक्षक प्रभावी शिक्षण रणनीतियों का उपयोग कर किशोरों के बेहतर भविष्य की योजना बना सकेगे। यह शोध कार्य मनोवैज्ञानिकों, शिक्षकों और अभिभावकों के लिए भी उपयोगी होगा ताकि वे अपने बच्चों का उचित मार्गदर्शन कर सके और उनकी ऊर्जा को छात्र-छात्राओं को शारीरिक, मानसिक और संवेगात्मक रुप से स्वस्थ बनाने में लगा सके। ताकि वे नई परिस्थितियों में खुद को ढाल सके और अपने उज्जवल भविष्य और जीवन में प्रगति के लिए सही निर्णय लें सकें। शोध कार्य से प्राप्त निष्कर्ष निम्नलिखित प्रकार से है-

- माध्यमिक स्तर के कला वर्ग के छात्र एवं कला वर्ग की छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक अन्तर पाया गया है।
- माध्यमिक स्तर के विज्ञान वर्ग के छात्र एवं विज्ञान वर्ग की छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक अन्तर पाया गया है।
- माध्यमिक स्तर के कला वर्ग के छात्र-छात्राएं एवं विज्ञान वर्ग के छात्र-छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक अन्तर पाया गया है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची:

1. गुप्ता, एस0 पी0 एवं गुप्ता, ए- (2019) उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान सिद्धान्त एवं व्यवहार, शरदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
2. लाल, रमन बिहारी एवं फ्लोड ए- शिक्षा के दार्शनिक परिदृश्य , आर0 लाल बुक डिपो मेरठ, मेरठ।
3. शर्मा, आर- ए- (2011)- शिक्षा अनुसंधान के मूल तत्व एवं शोध प्रक्रिया, आर लाल बुक डिपो, मेरठ।
4. आर्या,जोशी (2025)- ने नैनीतल जनपद के किशोरांे में संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन किया।

© 2025, SK Publisher All Rights Reserved

5. सिंह, कुमार ए- (2001)- मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियाँ,(चतुर्थ संशोधित संस्करण)- मोती लाल बनारसी दास, दिल्ली।
6. आकांक्षा, वर्मा (2024)- उच्चतर माध्यमिक स्तर पर विद्यालय के विद्यार्थियों में संवेगात्मक बुद्धि पर योग के प्रभाव का अध्ययन।
7. गुप्ता, मिश्र (2023)- माध्यमिक स्तर पर अध्ययरत् छात्र एवं छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन।
8. भार्गव, एस- (1977)- आधुनिक मनोवैज्ञानिक परीक्षण एवं मापन, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा।
9. चौहान, टिन्ना (2022)- ने विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि एवं मानसिक तनाव का शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन।

:::. Cite this article .:::

डॉ॰ दिनेश कुमार मौर्य & विकास कुमार जैसवार. (2025). माध्यमिक स्तर के कला एवं विज्ञान वर्ग के छात्र-छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन. SK INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH HUB, 12(12), 12–18.
https://doi.org/10.61165/sk.publisher.v12i12.2

© 2025, SK Publisher All Rights Reserved